'एथनाल उपयोग को सख्ती से करेंगे लागू'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : देश में एथनाल की मांग बढ़ाने के सभी उपायों पर सरकार सख्ती से अमल करेगी। इसके लिए फ्लेक्स इंजन यानी एक से अधिक ईंधन प्रकार से चलने वाले इंजन युक्त वाहनों का उत्पादन होगा। इसे वैधानिक बनाने के साथ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कुछ छूट मांगी है, जिससे आटोमोबाइल कंपनियां प्रदूषण रहित यूरो-4 मानक वाले इंजन बना सकेंगी। फ्लेक्सी इंजन वाले ये वाहन एथनाल से चलेंगे। केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा वर्ष 2023 के बाद सभी वाहनों के इंजन ई-20 वाले ही होंगे जो 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रित पेट्रोल से चलेंगे। गडकरी मंगलवार को इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के एक वर्चुअल कांफ्रेंस में बोल रहे थे।

पेट्रोल के विकल्प का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया में पेट्रोलियम की कुल खपत में अकेले भारत की हिस्सेदारी 30% है। इसके लिए आठ लाख करोड़ खर्च होते हैं, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन प्रतिशत तक है। इसमें पेट्रोल व डीजल की खपत सर्वाधिक होती है। इनका 98% हिस्सा सड़क परिवहन में चला जाता है, जो भारत के कुल कार्बन उत्सर्जन के 18% का कारण है। अमेरिका, ब्राजील व कनाडा में वही आटोमोबाइल कंपनियां फ्लेक्स इंजन वाले वाहन बना रही हैं, जो भारत में भी कारें बना रही हैं। उन्हें यहां भी फ्लेक्स इंजन वाले वाहन बनाने को कहा जाएगा, जिससे एथनाल का प्रयोग अधिक से अधिक हो सके। गन्ना के साथ मक्का, बाजरा, ज्वार, चावल और अन्य खराब अनाज से एथनाल का उत्पादन होने लगा है। धान की पांच टन पराली से एक टन बायो-एलएनजी का उत्पादन किया जा सकता है। खेतों में फसलों की पराली को जहां जलाने से प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा हो रही है, उससे सीएनजी और एलएनजी का उत्पादन किया जा सकता है।

भविष्य की ऊर्जा

- **फ्लेक्स इंजन वाले वाहनों के उत्पादन को वैधानिक बनाया जाएगा**
- **डीजल में भी एथनाल मिलाने पर हो रहे अनुसंधान पर सरकार की नजर**
- **पांच टन पराली से एक टन एलएनजी का हो सकता है उत्पादन**

एथनाल का अब तक का सफर

- वर्ष 2003 में एथनाल मिश्रण की शुरुआत हुई थी, जो वर्ष 2007 तक पांच प्रतिशत हो सकी थी।
- वर्ष 2014 में उचित खरीद नीति बनाई गई और उस वर्ष 38 करोड़ लीटर एथनाल की खरीद की गई
- वर्ष 2018-19 में बढ़कर 190 करोड़ लीटर पहुंच गई और राष्ट्रीय स्तर पर एथनाल मिश्रण नौ प्रतिशत तक पहुंचा
- सरकार के ई-20 प्रोग्राम के तहत वर्ष 2025 तक पेट्रोल में 20% एथनाल का मिश्रण होने लगेगा
- फिलहाल देश में कुल एथनाल का 90 प्रतिशत हिस्सा शुगर इंडस्ट्री से प्राप्त हो रहा है